

यावज्जिनसा समनं नव द्वायः वज्जिनसा कन
 सुदवसा च्छयकः गुनूराह नकि निययिक ॥
 सुसुन नूय ॥ ह नो विस्व मा नय साहा ॥
 कतान् ॥ शागयाय ॥ गुनूयूजाः दक्षिना नयक ॥
 सग्न नतान ॥ कले साहिअक ॥ आसिवादकिय ॥ मिता
 सिद्धमूदः द्वा सकन नव द्वाय ॥ सुदवसकः कग
 गुनूराह नय न विन सुक नो वियक माय ॥

व. नानकनहु। या॥ समयसु। हनयसिद्धया॥
ॐ निकासुवधविधि समापक ४३ ॥



चिन्तावि

000000
2. 2. 2. 2.



सुयभार
यत्तमयन